कलकत्ता चेम्बर का भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर सत्र

कोलकाता, 18 मार्च (नि.प्र.)। कलकत्ता चैम्बर ऑफ कॉमर्स ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौता 2026 एवं अन्य मुक्त व्यापार समझौते: अवसर और रणनीतिक परिदृश्य विषय पर एक महत्वपूर्ण विचार-विमर्श सत्र का आयोजन किया।इस अवसर पर पश्चिम बंगाल सरकार के सहकारिता विभाग तथा सिंचाई एवं जलमार्ग विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव, डॉ. कृष्णा गुप्ता एवं भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के पूर्व अतिरिक्त डीजीएफटी और पूर्व जोनल डेवलपमेंट कमिश्नर, संजीव नंदवानी ने नव घोषित भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते तथा भारत की व्यापक एफटीए नीति के प्रभावों का विश्लेषण किया। चैम्बर के अध्यक्ष अनंत सहारिया ने अपने स्वागत भाषण में कहा, भारत और अमेरिका की यह पहल भरोसेमंद और मजबूत सप्लाई चेन के निर्माण के प्रति दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इससे 'मेक इन इंडिया' को बल मिलेगा, युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और एमएसएमई क्षेत्र को प्रोत्साहन मिलेगा। कई महीनों की बातचीत के बाद 2026 का यह व्यापार समझौता द्विपक्षीय संबंधों को नई दिशा देता है। डॉ. कृष्णा गुप्ता ने बताया कि यह अंतरिम समझौता लगभग

30 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के विशाल बाजार में भारत को वरीयता आधारित पहुंच प्रदान करता है। इससे वस्त्र, चमड़ा, रत्न एवं आभूषण जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों को विशेष लाभ मिलेगा। साथ ही, मसाले, चाय और प्रोसेस्ड फूड सहित 1 अरब डॉलर से अधिक के कृषि निर्यात पर शून्य शुल्क की सुविधा मिलेगी, जबकि डेयरी और पोल्ट्री जैसे संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा भी सुनिश्चित की गई है। इस चर्चा में नए टेक्नोलॉजी, रिसर्च एंड यूजर-बेस्ड सिक्योरिटी ट्रस्ट ढांचे पर भी प्रकाश डाला गया, जो रक्षा और सेमीकंडक्टर क्षेत्रों में सह-उत्पादन को बढ़ावा देता है। साथ ही, यूरोपीय संघ, ब्रिटेन और ओमान के साथ हाल ही में संपन्न एफटीए तथा गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल के साथ जारी वार्ताओं के प्रभावों का भी आकलन किया गया। इस संवाद सत्र का संचालन संजीव नंदवानी ने किया। चैम्बर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनुराग झुनझुनवाला ने धन्यवाद ज्ञापन देते हुए कहा कि विशेषज्ञों ने भारत-अमेरिका अंतरिम समझौते की जटिलताओं और यूरोपीय संघ, ब्रिटेन तथा ईएफटीए देशों के साथ चल रही वार्ताओं के विभिन्न पहलुओं पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की।